भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : **158**
गुरुवार, 1 अगस्त, 2024 / 10 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानन क्षेत्र का विकास

***158. श्री सुरेश कुमार शेटकरः**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि विगत दस वर्षों के दौरान विमानन क्षेत्र में तेजी आई है और विमानपत्तनों की संख्या दोगुनी होकर 149 हो गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या यह भी सच है कि "उड़ान" योजना के अंतर्गत टियर-दो और टियर-तीन शहरों के लिए विमान सेवा व्यापक रूप से शुरू की गई है और पांच सौ सत्रह नए मार्गों पर 1.3 करोड़ यात्री यात्रा करते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह भी सच है कि भारतीय विमान कंपनियों ने 1000 से अधिक नए विमानों के लिए अग्रिम रूप से आर्डर दिए हैं और मौजूदा विमानपत्तनों के विस्तार और विकास का कार्य तेजी से जारी है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में अब तक कितनी प्रगति हुई है तथा इसके लिए संस्वीकृत/व्यय की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (घ) तक: वक्तव्य सदन के पटल पर रखा गया है।

"विमानन क्षेत्र का विकास" से संबंधित श्री सुरेश कुमार शेटकर द्वारा पूछे गए लोक सभा के दिनांक 01.08.2024 के मौखिक प्रश्न सं.158 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित वक्तव्य।

(क) भारतीय विमानन क्षेत्र के समग्र विकास हेतु सकारात्मक वातावरण प्रदान करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नागर विमानन नीति, 2016 तैयार की है, जिसमें ग्रीनफ़ील्ड परियोजनाओं के माध्यम से और 'उड़ान योजना' के तहत अवसंरचना विकास शामिल है। वर्ष 2014 से 12 ग्रीनफ़ील्ड हवाईअड्डों का निर्माण किया गया है और उनका प्रचालन शुरू किया गया है। वर्ष 2016 में इस योजना के शुरुआत के बाद से 'उड़ान योजना' के तहत 2 वॉटर एयरोड्रोमों और 13 हेलीपोर्टों सहित 85 असेवित/अल्पसेवित हवाईअड्डों का प्रचालन शुरू किया गया है। इसके परिणामस्वरूप, प्रचालनरत हवाईअड्डों/ हेलीपोर्टों /वॉटर एयरोड्रोमों की कुल संख्या वर्ष 2014 में 74 से बढ़कर वर्ष 2024 में 157 हो गई है। घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या वर्ष 2014 में 67 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2023 में 152 मिलियन हो गई है। देश में अनुसूचित विमान बेड़े का आकार में 400 से बढ़कर वर्ष 2014 तक लगभग 800 हो गया है।

(ख) उड़ान योजना के तहत 13 हेलीपोर्टों और 02 वॉटर एयरोड्रोमों सहित 85 असेवित/अल्पसेवित हवाईअड्डों को जोड़ने वाले 579 मार्गों का प्रचालन शुरू किया गया है। अब तक 1.42 करोड़ से अधिक यात्रियों ने 2.74 लाख आरसीएस उड़ानों पर यात्रा की है।

(ग) और (घ) पिछले एक वर्ष में अनुसूचित भारतीय वाहकों ने 1150 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया है। देश में हवाईअड्डों का विकास/स्तरोन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है। हवाई यातायात और यात्री वृद्धि की आवश्यकता को पूरा करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने देश में विभिन्न हवाईअड्डों के विकास के लिए पाँच वर्ष (2019-24) के दौरान 25000 करोड़ के केपैक्स योजना की शुरुआत की है। विकास कार्यों में नए हवाईअड्डे, मौजूदा टर्मिनलों का विस्तार/उन्नयन, नई यात्री सुविधाओं की शुरुआत, नए टर्मिनल, मौजूदा रनवे, एप्रन का विस्तार/सुदृढ़ीकरण, नियंत्रण टावर, तकनीकी ब्लॉक, जैसे एएनएस कार्य इत्यादि शामिल हैं।

*****